साझेदारी फर्म का पुनर्गठन कृ साझेदार की

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» पुनर्गठन की आवश्यकता और देय राशि का निर्धारण

प्रश्न 1 (आसान). एक फर्म में तीन साझेदार हैं। यदि उनमें से एक की मृत्यु हो जाए, तो क्या फर्म का पुनर्गठन होगा?
उत्तर – हाँ, फर्म का पुनर्गठन होगा।

प्रश्न 2 (आसान). सेवानिवृत्त साझेदार को उसकी देय राशि में क्या-क्या शामिल होता है? कोई दो चीज़ें बताओ।
उत्तर – पूँजी खाते का शेष और ख्याति का हिस्सा।

प्रश्न 3 (मध्यम). राधा, सीमा और टीना साझेदार हैं। राधा सेवानिवृत्त हो जाती है। उसका पूंजी खाता ₹3,50,000 है, ख्याति में ₹60,000 और पुनर्मूल्यांकन लाभ में ₹15,000 का हिस्सा है। उसे कुल कितनी राशि देय है?
उत्तर – ₹3,50,000 + ₹60,000 + ₹15,000 = ₹4,25,000

» नया लाभ विभाजन अनुपात की गणना

प्रश्न 4 (आसान). P, Q और R एक फर्म में 5:3:2 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। अगर R सेवानिवृत्त होता है और कोई जानकारी नहीं दी जाती, तो P और Q का नया लाभ विभाजन अनुपात क्या होगा?
उत्तर – 5:3

प्रश्न 5 (आसान). A, B और C बराबर साझेदार हैं। यदि B सेवानिवृत्त होता है, तो A और C का नया लाभ विभाजन अनुपात क्या होगा?
उत्तर – 1:1

प्रश्न 6 (मध्यम). अनु, प्रभा और मिली 3:2:1 के अनुपात में लाभ बांटती हैं। अनु सेवानिवृत्त होती है और उसका हिस्सा प्रभा तथा मिली 2:1 के अनुपात में लेती हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात ज्ञात करें।
उत्तर – प्रभा: 2/6 + (3/6 का 2/3) = 2/6 + 6/18 = 6/18 + 6/18 = 12/18 = 2/3। मिली: 1/6 + (3/6 का 1/3) = 1/6 + 3/18 = 3/18 + 3/18 = 6/18 = 1/3। नया अनुपात 2:1 होगा।

प्रश्न 7 (कठिन). X, Y और Z 1/2, 1/4 और 1/4 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। Y सेवानिवृत्त होता है और उसका हिस्सा X पूरा ले लेता है। नया लाभ विभाजन अनुपात क्या होगा?
उत्तर – X का नया हिस्सा = 1/2 + 1/4 = 3/4। Z का हिस्सा वही रहेगा 1/4। नया अनुपात 3:1 होगा।

» अभिलाभ अनुपात की गणना

प्रश्न 8 (आसान). A, B और C 2:2:1 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। B रिटायर होता है। A और C भविष्य में लाभ 1:1 में बांटते हैं। अभिलाभ अनुपात क्या होगा?
उत्तर – A का अभिलाभ = 1/2 - 2/5 = (5-4)/10 = 1/10; C का अभिलाभ = 1/2 - 1/5 = (5-2)/10 = 3/10। अभिलाभ अनुपात = 1:3।

प्रश्न 9 (आसान). मोहन, सोहन और रोहन 3:2:1 में साझेदार हैं। मोहन रिटायर होता है। सोहन और रोहन अब 2:1 में लाभ बांटते हैं। अभिलाभ अनुपात क्या होगा?
उत्तर – सोहन का अभिलाभ = 2/3 - 2/6 = (4-2)/6 = 2/6; रोहन का अभिलाभ = 1/3 - 1/6 = (2-1)/6 = 1/6। अभिलाभ अनुपात = 2:1।

प्रश्न 10 (मध्यम). P, Q और R एक फर्म में 4:3:2 के अनुपात में साझेदार हैं। Q रिटायर होता है। P और R ने भविष्य के लाभों को 3:2 में बांटने का फैसला किया। अभिलाभ अनुपात ज्ञात कीजिए।

उत्तर – P का पुराना हिस्सा = 4/9; R का पुराना हिस्सा = 2/9। P का नया हिस्सा = 3/5; R का नया हिस्सा = 2/5। P का अभिलाभ = 3/5 - 4/9 = (27-20)/45 = 7/45। R का अभिलाभ = 2/5 - 2/9 = (18-10)/45 = 8/45। अभिलाभ अनुपात = 7:8।

प्रश्न 11 (कठिन). राहुल, रोबिन और राजेश लाभों का विभाजन 3:2:1 में करते हुए साझेदार हैं। राजेश सेवानिवृत्त होता है। शेष साझेदारों के नए लाभ विभाजन अनुपात की गणना कीजिए। यदि राजेश का हिस्सा राहुल और रोबिन 1:1 में अधिग्रहण करते हैं, तो अभिलाभ अनुपात क्या होगा?

उत्तर – राजेश का हिस्सा = 1/6। राहुल द्वारा अधिग्रहण = 1/6 * 1/2 = 1/12। रोबिन द्वारा अधिग्रहण = 1/6 * 1/2 = 1/12। राहुल का नया हिस्सा = 3/6 + 1/12 = (6+1)/12 = 7/12। रोबिन का नया हिस्सा = 2/6 + 1/12 = (4+1)/12 = 5/12। नया लाभ विभाजन अनुपात = 7:5। अभिलाभ अनुपात = 1:1।

» ख्याति का लेखांकन व्यवहार (जब पुस्तकों में विद्यमान न हो)

प्रश्न 12 (आसान). तीन साझेदार अ, ब, स 2:2:1 में लाभ बाँटते हैं। 'स' रिटायर होता है। फर्म की ख्याति ₹50,000 है। 'स' का ख्याति में हिस्सा कितना होगा?

उत्तर – ₹10,000

प्रश्न 13 (आसान). यदि x, y, z साझेदार हैं और y सेवानिवृत्त होता है, x और z लाभ प्राप्त कर रहे हैं। x और z के पूँजी खाते डेबिट होंगे या क्रेडिट?

उत्तर – डेबिट

प्रश्न 14 (मध्यम). मोहन, सोहन और रोहन 5:3:2 में साझेदार हैं। सोहन सेवानिवृत्त होता है। फर्म की ख्याति ₹1,00,000 है। मोहन और रोहन का नया अनुपात 1:1 है। आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टि दें।

उत्तर – मोहन का पूँजी खाता Dr. ₹20,000, रोहन का पूँजी खाता Dr. ₹10,000, सोहन के पूँजी खाते से Cr. ₹30,000.

प्रश्न 15 (कठिन). A, B, C 3:2:1 में साझेदार हैं। C सेवानिवृत्त होता है। फर्म की ख्याति ₹90,000 है। A और B तय करते हैं कि वे भविष्य में लाभ 2:1 के अनुपात में बाँटेंगे। आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टि कीजिए। (इसमें एक साझेदार त्याग कर सकता है)

उत्तर – B का पूँजी खाता Dr. ₹15,000, A का पूँजी खाता Cr. ₹15,000, C का पूँजी खाता Cr. ₹15,000. (यहाँ A त्याग कर रहा है, इसलिए उसे क्रेडिट किया जाएगा, B अभिलाभ कर रहा है).

» प्रछन्न ख्याति का समायोजन

प्रश्न 16 (आसान). सेवानिवृत्त साझेदार को देय राशि ₹50,000 है, लेकिन उसे ₹60,000 का भुगतान किया गया। प्रछन्न ख्याति कितनी है?

उत्तर – ₹10,000

प्रश्न 17 (आसान). प्रछन्न ख्याति का समायोजन साझेदारों के किस अनुपात में होता है?

उत्तर – अभिलाभ अनुपात (Gaining Ratio)

प्रश्न 18 (मध्यम). A, B, C साझेदार हैं जो 2:2:1 में लाभ बांटते हैं। C सेवानिवृत्त होता है। C का अंतिम पूंजी शेष सभी समायोजन के बाद ₹45,000 है। A और B उसे ₹50,000 देने को सहमत होते हैं। प्रछन्न ख्याति की गणना करें और समायोजन प्रविष्टि दें। (मान लें नया अनुपात 1:1 है)

उत्तर – प्रछन्न ख्याति = ₹5,000. A का पूंजी खाता Dr. ₹2,500, B का पूंजी खाता Dr. ₹2,500, C के पूंजी खाते से Cr. ₹5,000.

प्रश्न 19 (कठिन). X, Y, Z साझेदार हैं जो 5:3:2 में लाभ बांटते हैं। Z सेवानिवृत्त होता है। उसके पूंजी खाते का शेष, पुनर्मूल्यांकन लाभ (₹10,000) और सामान्य संचय (₹5,000) जोड़ने के बाद ₹1,15,000 बनता है। X और Y उसे ₹1,30,000 में पूर्ण भुगतान करते हैं। X और Y का नया लाभ विभाजन अनुपात 3:2 है। आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टि दें।

उत्तर – पहले Z के हिस्से का पुनर्मूल्यांकन लाभ (₹2,000) और सामान्य संचय (₹1,000) जोड़कर उसका समायोजित शेष निकालेंगे, जो ₹1,15,000 + ₹2,000 + ₹1,000 = ₹1,18,000 होगा (यह प्रश्न में पहले से 'जोड़ने के बाद' दिया है, तो सीधे यही मानेंगे कि ₹1,15,000 उसका अंतिम समायोजित शेष है)। प्रछन्न ख्याति = ₹1,30,000 - ₹1,15,000 = ₹15,000। नया अनुपात 3:2 है। पुराना अनुपात 5:3:2। X का अभिलाभ = (3/5) - (5/10) = (6-5)/10 = 1/10। Y का अभिलाभ = (2/5) - (3/10) = (4-3)/10 = 1/10। अभिलाभ अनुपात 1:1। X का पूंजी खाता Dr. ₹7,500, Y का पूंजी खाता Dr. ₹7,500, Z के पूंजी खाते से Cr. ₹15,000.

» परिसंपत्तियों और दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन

प्रश्न 20 (आसान). यदि भवन का मूल्य ₹2,00,000 से बढ़कर ₹2,50,000 हो जाता है, तो जर्नल प्रविष्टि क्या होगी?

उत्तर – भवन खाता Dr. ₹50,000, पुनर्मूल्यांकन खाते से Cr. ₹50,000

प्रश्न 21 (आसान). यदि लेनदारों का मूल्य ₹10,000 से घटकर ₹8,000 हो जाता है, तो जर्नल प्रविष्टि क्या होगी?

उत्तर – लेनदार खाता Dr. ₹2,000, पुनर्मूल्यांकन खाते से Cr. ₹2,000

प्रश्न 22 (मध्यम). फर्म की किताबों में फर्नीचर ₹50,000 पर दिखाया गया है, लेकिन पुनर्मूल्यांकन पर इसका मूल्य ₹40,000 पाया गया। इसके अलावा, ₹5,000 के अलिखित निवेश (Unrecorded Investment) भी मिले। इन दोनों मदों के लिए जर्नल प्रविष्टियां दें।

उत्तर – पुनर्मूल्यांकन खाता Dr. ₹10,000, फर्नीचर खाते से Cr. ₹10,000 (फर्नीचर मूल्य में कमी के लिए)। निवेश खाता Dr. ₹5,000, पुनर्मूल्यांकन खाते से Cr. ₹5,000 (अलखिति नविश को दर्ज करने के लिए)।

प्रश्न 23 (कठिन). A, B और C साझेदार हैं, जिनका लाभ अनुपात 3:2:1 है। B सेवानिवृत्त होता है। उस तिथि पर, स्टॉक ₹60,000 (किताबी मूल्य ₹50,000) पर, देनदार ₹38,000 (किताबी मूल्य ₹40,000) पर और एक अलिखित दायित्व ₹2,000 के लिए पाया गया। पुनर्मूल्यांकन पर लाभ या हानि की गणना करें और उसे साझेदारों में बाँटें।

उत्तर – स्टॉक में वृद्धि ₹10,000 (लाभ)। देनदारों में कमी ₹2,000 (हानि)। अलिखित दायित्व ₹2,000 (हानि)। कुल लाभ = ₹10,000। कुल हानि = ₹2,000 + ₹2,000 = ₹4,000। शुद्ध लाभ = ₹10,000 - ₹4,000 = ₹6,000। यह लाभ A, B और C में 3:2:1 के अनुपात में बंटेगा। A को ₹3,000, B को ₹2,000, C को ₹1,000।

» संचित लाभों और हानियों का समायोजन

प्रश्न 24 (आसान). तीन साझेदार अ, ब और स 2:2:1 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। ब सेवानिवृत्त होता है। फर्म के पास ₹50,000 का 'लाभ व हानि खाते का जमा शेष' (Credit Balance of P&L) है। आवश्यक जर्नल प्रविष्टि करें।

उत्तर – लाभ व हानि खाता Dr. ₹50,000; अ के पूंजी खाते से ₹20,000; ब के पूंजी खाते से ₹20,000; स के पूंजी खाते से ₹10,000।

प्रश्न 25 (आसान). फर्म के तुलन पत्र में 'सामान्य संचय' (General Reserve) को किस पक्ष में दिखाया जाता है?

उत्तर – दायित्व पक्ष (Liability side)

प्रश्न 26 (मध्यम). राम, श्याम और मोहन 5:3:2 के अनुपात में साझेदार हैं। मोहन सेवानिवृत्त होता है। इस तारीख को फर्म के पास ₹60,000 का 'कार्यकारी क्षतिपूर्ति संचय' (Workmen Compensation Reserve) है। यदि कर्मचारियों के लिए कोई दावा नहीं है, तो आवश्यक जर्नल प्रविष्टि करें।

उत्तर – कार्यकारी क्षतिपूर्ति संचय खाता Dr. ₹60,000; राम के पूंजी खाते से ₹30,000; श्याम के पूंजी खाते से ₹18,000; मोहन के पूंजी खाते से ₹12,000।

प्रश्न 27 (कठिन). पी, क्यू और आर 3:2:1 के अनुपात में साझेदार हैं। क्यू सेवानिवृत्त होता है। उस तारीख को तुलन पत्र में 'लाभ व हानि खाते का डेबिट शेष' (Debit Balance of P&L) ₹48,000 और 'सामान्य संचय' (General Reserve) ₹30,000 है। दोनों के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दें।

उत्तर – लाभ व हानि खाते के डेबिट शेष के लिए: पी के पूंजी खाते Dr. ₹24,000; क्यू के पूंजी खाते Dr. ₹16,000; आर के पूंजी खाते Dr. ₹8,000; लाभ व हानि खाते से ₹48,000। सामान्य संचय के लिए: सामान्य संचय खाता Dr. ₹30,000; पी के पूंजी खाते से ₹15,000; क्यू के पूंजी खाते से ₹10,000; आर के पूंजी खाते से ₹5,000।

» वर्ष के मध्य में सेवानिवृत्त होने पर लाभ-हानि का निर्धारण

प्रश्न 28 (आसान). सुनीता 1 जुलाई को फर्म से सेवानिवृत्त होती है। फर्म का पिछला वार्षिक लाभ 90,000 रुपये था। सुनीता का लाभ में हिस्सा 1/3 है। उसे कितने महीनों का लाभ मिलेगा?

उत्तर – 3 महीने (अप्रैल, मई, जून)

प्रश्न 29 (आसान). ऊपर दिए गए प्रश्न में, सुनीता का लाभ का हिस्सा कितना होगा?

उत्तर – 90,000 रुपये * (3/12) * (1/3) = 7,500 रुपये

प्रश्न 30 (मध्यम). रमन, गगन और नमन 5:3:2 के अनुपात में साझेदार हैं। 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष का लाभ 1,50,000 रुपये था। गगन 31 अगस्त 2023 को सेवानिवृत्त होता है। पिछले वर्ष के लाभ के आधार पर गगन का लाभ में हिस्सा ज्ञात करें।

उत्तर – गगन 5 महीने (अप्रैल से अगस्त) तक रहा। 1,50,000 रुपये * (5/12) = 62,500 रुपये। गगन का हिस्सा: 62,500 रुपये * (3/10) = 18,750 रुपये।

प्रश्न 31 (कठिन). माधुरी, साक्षी और प्रिया 2:2:1 के अनुपात में लाभ बांटती हैं। माधुरी 30 जून 2023 को सेवानिवृत्त होती है। पिछले तीन वर्षों के औसत लाभ के आधार पर माधुरी का लाभ का हिस्सा ज्ञात करें। पिछले तीन वर्षों के लाभ: 2020-21: 80,000 रुपये; 2021-22: 1,00,000 रुपये; 2022-23: 1,20,000 रुपये।

उत्तर – औसत लाभ = (80,000 + 1,00,000 + 1,20,000) / 3 = 1,00,000 रुपये। माधुरी 3 महीने (अप्रैल से जून) तक रही। अनुमानित लाभ = 1,00,000 रुपये * (3/12) = 25,000 रुपये। माधुरी का हिस्सा = 25,000 रुपये * (2/5) = 10,000 रुपये।

» सेवानिवृत्त साझेदार को देय राशि का निपटारा

प्रश्न 32 (आसान). अगर एक सेवानिवृत्त साझेदार को ₹50,000 देय हैं और फर्म उसे तुरंत नकद भुगतान कर देती है, तो क्या जर्नल प्रविष्टि होगी?

उत्तर – सेवानिवृत्त साझेदार का पूँजी खाता Dr. ₹50,000; रोकड़/बैंक खाते से Cr. ₹50,000

प्रश्न 33 (आसान). सेवानिवृत्त साझेदार को देय कुल राशि को ऋण खाते में कब हस्तांतरित किया जाता है?

उत्तर – जब फर्म के पास तुरंत भुगतान करने के लिए पर्याप्त नकदी नहीं होती है।

प्रश्न 34 (मध्यम). एक साझेदार को ₹1,00,000 देय हैं। उसे ₹20,000 तुरंत नकद दिए जाते हैं और शेष राशि को ऋण खाते में हस्तांतरित कर दिया जाता है। जर्नल प्रविष्टि दें।

उत्तर – सेवानिवृत्त साझेदार का पूँजी खाता Dr. ₹1,00,000; रोकड़/बैंक खाते से Cr. ₹20,000; सेवानिवृत्त साझेदार के ऋण खाते से Cr. ₹80,000

प्रश्न 35 (कठिन). एक साझेदार को ₹1,20,000 देय हैं। उसे तीन वार्षिक किश्तों में, 10% प्रति वर्ष ब्याज के साथ भुगतान किया जाता है। प्रत्येक किश्त की राशि (मूल + ब्याज) ज्ञात करें यदि मूल राशि समान किश्तों में चुकाई जाती है।

उत्तर – पहला साल: ₹40,000 मूल + ₹12,000 ब्याज = ₹52,000. दूसरा साल: ₹40,000 मूल + ₹8,000 ब्याज = ₹48,000. तीसरा साल: ₹40,000 मूल + ₹4,000 ब्याज = ₹44,000.

» शेष साझेदारों की पूंजी का समायोजन

प्रश्न 36 (मध्यम). अंजू, बिना और चित्रा 3:2:1 के अनुपात में साझेदार हैं। बिना रिटायर हो जाती है। अंजू और चित्रा ने अपनी पूंजी को नए लाभ अनुपात में समायोजित करने का फैसला किया। सभी समायोजन के बाद अंजू की पूंजी ₹90,000 और चित्रा की पूंजी ₹60,000 है। नई फर्म की कुल पूंजी ₹1,60,000 निर्धारित की गई है। आवश्यक समायोजन की गणना करें।

उत्तर – अंजू का नया अनुपात 3/4, चित्रा का नया अनुपात 1/4। अंजू की नई पूंजी = ₹1,60,000 * 3/4 = ₹1,20,000। चित्रा की नई पूंजी = ₹1,60,000 * 1/4 = ₹40,000। अंजू को ₹1,20,000 - ₹90,000 = ₹30,000 लाने होंगे। चित्रा को ₹60,000 - ₹40,000 = ₹20,000 निकालने होंगे।

प्रश्न 37 (कठिन). X, Y और Z एक फर्म में साझेदार हैं और लाभ 5:3:2 के अनुपात में बांटते हैं। Z रिटायर हो जाता है। पुनर्मूल्यांकन, ख्याति और संचित लाभों के सभी समायोजन के बाद X और Y के पूंजी खातों का जमा शेष क्रमशः ₹1,50,000 और ₹1,00,000 है। Z को देय राशि ₹70,000 है। X और Y ने निर्णय लिया कि Z को भुगतान के लिए आवश्यक राशि वे अपने नए लाभ अनुपात (X और Y का नया अनुपात 5:3 होगा) में पूंजी के रूप में लाएंगे। आवश्यक समायोजन एंट्रीज दें।

उत्तर – नई फर्म की कुल पूंजी = X की मौजूदा पूंजी + Y की मौजूदा पूंजी + Z को देय राशि = ₹1,50,000 + ₹1,00,000 + ₹70,000 = ₹3,20,000। X की नई पूंजी = ₹3,20,000 * 5/8 = ₹2,00,000। Y की नई पूंजी = ₹3,20,000 * 3/8 = ₹1,20,000। X को लानी होगी ₹2,00,000 - ₹1,50,000 = ₹50,000। Y को लानी होगी ₹1,20,000 - ₹1,00,000 = ₹20,000। जर्नल एंट्री: बैंक खाता Dr. ₹70,000, X के पूंजी खाते से Cr. ₹50,000, Y के पूंजी खाते से Cr. ₹20,000। फिर Z के भुगतान की एंट्री: Z का पूंजी खाता Dr. ₹70,000, बैंक खाते से Cr. ₹70,000।

» मृत साझेदार के उत्तराधिकारी के दावे का निपटारा

प्रश्न 38 (आसान). एक साझेदार की मृत्यु 30 जून को हुई। उसकी पूंजी ₹50,000 थी। पूंजी पर 10% वार्षिक ब्याज देना है। मृत्यु तक पूंजी पर ब्याज कितना होगा?

उत्तर – ₹1,250 (3 महीने का)

प्रश्न 39 (आसान). एक फर्म का वार्षिक लाभ ₹60,000 है। एक साझेदार का लाभ में हिस्सा 1/4 है। यदि उसकी मृत्यु 30 सितंबर को होती है, तो मृत्यु तक उसे कितना लाभ मिलेगा?

उत्तर – ₹7,500 (6 महीने का)

प्रश्न 40 (मध्यम). अजय, विजय और संजय 3:2:1 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। विजय की मृत्यु 31 अगस्त को हुई। 31 मार्च को उसकी पूंजी ₹80,000 थी। पूंजी पर 8% वार्षिक ब्याज देना है और पिछले वर्ष का लाभ ₹90,000 था। मृत्यु तक विजय की पूंजी में लाभ और ब्याज जोड़कर कुल कितनी राशि देय होगी?

उत्तर – पूंजी पर ब्याज: ₹3,200 (5 महीने का)। लाभ में हिस्सा: ₹12,500 (5 महीने का)। कुल देय राशि (केवल ये दो जोड़कर): ₹80,000 + ₹3,200 + ₹12,500 = ₹95,700।

प्रश्न 41 (कठिन). अनिल, भानू और चंदू 5:3:2 के अनुपात में साझेदार हैं। अनिल की मृत्यु 1 अक्टूबर 2017 को हुई। 31 मार्च 2017 को उसकी पूंजी ₹30,000 थी। पूंजी पर 10% वार्षिक ब्याज देना है। पिछले वर्ष का लाभ ₹15,000 था और यह माना गया कि मृत्यु तक भी इसी दर से लाभ होगा। अनिल के उत्तराधिकारी को देय कुल राशि (पूंजी, लाभ, ब्याज) निकालें।

उत्तर – पूंजी: ₹30,000। पूंजी पर ब्याज (6 महीने): ₹1,500। लाभ (6 महीने): ₹3,750। कुल देय राशि: ₹30,000 + ₹1,500 + ₹3,750 = ₹35,250।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. मान लीजिए, अमित, भावना और चेतन 3:2:1 के अनुपात में लाभ-हानि बांटने वाले साझेदार हैं। भावना सेवानिवृत्त हो जाती है। उसका पूंजी खाता शेष ₹2,00,000 है, ख्याति में उसका हिस्सा ₹50,000 है, और संचित लाभ में हिस्सा ₹20,000 है। उसे देय कुल राशि ज्ञात कीजिए।

› पहले भावना के पूंजी खाते का शेष देखें: ₹2,00,000

› अब ख्याति में उसका हिस्सा जोड़ें: ₹50,000

› फिर संचित लाभ में उसका हिस्सा जोड़ें: ₹20,000

› कुल देय राशि = पूंजी शेष + ख्याति का हिस्सा + संचित लाभ का हिस्सा

› कुल देय राशि = ₹2,00,000 + ₹50,000 + ₹20,000

उत्तर – कुल देय राशि = ₹2,70,000

उदाहरण 2. नवीन, सुरेश और तरुण एक फर्म में 5:3:2 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। सुरेश सेवानिवृत्त होता है, और उसका हिस्सा नवीन तथा तरुण 2:1 के अनुपात में प्राप्त करते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात ज्ञात कीजिए।

› सबसे पहले, सुरेश का हिस्सा क्या है? सुरेश का हिस्सा 3/10 है।

› नवीन सुरेश के हिस्से का 2/3 प्राप्त करता है। तो, नवीन को कितना मिलेगा? 3/10 का 2/3 = 6/30।

› तरुण सुरेश के हिस्से का 1/3 प्राप्त करता है। तो, तरुण को कितना मिलेगा? 3/10 का 1/3 = 3/30।

› अब नवीन का नया हिस्सा निकालो: पुराना हिस्सा + प्राप्त किया गया हिस्सा = 5/10 + 6/30। इसे हल करने के लिए हम 5/10 को 15/30 लिख सकते हैं। तो, 15/30 + 6/30 = 21/30।

› अब तरुण का नया हिस्सा निकालो: पुराना हिस्सा + प्राप्त किया गया हिस्सा = 2/10 + 3/30। इसे हल करने के लिए हम 2/10 को 6/30 लिख सकते हैं। तो, 6/30 + 3/30 = 9/30।

› तो नवीन और तरुण का नया लाभ विभाजन अनुपात 21:9 है, जिसे हम सरल करके 7:3 लिख सकते हैं।

उत्तर – नवीन और तरुण का नया लाभ विभाजन अनुपात 7:3 है।

उदाहरण 3. अमित, दिनेश और गगन एक फर्म में 5:3:2 के अनुपात में लाभ बांटते हुए साझेदार हैं। दिनेश सेवानिवृत्ति लेता है। अमित और गगन नए फर्म के लाभ को 3:2 के अनुपात में बांटने का निर्णय करते हैं। अभिलाभ अनुपात की गणना कीजिए।

› सबसे पहले पुराना अनुपात देखो: अमित:दिनेश:गगन = 5:3:2, कुल 10 हिस्से।

› अब नया अनुपात देखो: अमित:गगन = 3:2, कुल 5 हिस्से।

› अभिलाभ अनुपात का सूत्र है: नया हिस्सा - पुराना हिस्सा।

› अमित का अभिलाभ = (3/5) - (5/10) = (6/10) - (5/10) = 1/10

› गगन का अभिलाभ = (2/5) - (2/10) = (4/10) - (2/10) = 2/10

› दोनों के अभिलाभ को अनुपात में लिखो।

उत्तर – अमित और गगन का अभिलाभ अनुपात 1:2 होगा।

उदाहरण 4. अ, ब और स एक फर्म में 3:2:1 के अनुपात में लाभ बाँटते हैं। 'ब' सेवानिवृत्त होता है। फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹60,000 पर किया गया है। अ और स नया अनुपात 3:1 में व्यवसाय जारी रखते हैं। आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टि कीजिए।

› पहला कदम: 'ब' का ख्याति में हिस्सा निकालो। कुल ख्याति ₹60,000 है, और 'ब' का हिस्सा 2/6 है। तो, 60,000 * (2/6) = ₹20,000.

› दूसरा कदम: अभिलाभ अनुपात निकालो। 'अ' का पुराना हिस्सा 3/6, नया हिस्सा 3/4. तो 'अ' का अभिलाभ = (3/4) - (3/6) = (9-6)/12 = 3/12. 'स' का पुराना हिस्सा 1/6, नया हिस्सा 1/4. तो 'स' का अभिलाभ = (1/4) - (1/6) = (3-2)/12 = 1/12. अभिलाभ अनुपात 3:1.

› तीसरा कदम: 'ब' के ₹20,000 के हिस्से को 'अ' और 'स' में उनके अभिलाभ अनुपात 3:1 में बाँटो। 'अ' को डेबिट करेंगे = 20,000 * (3/4) = ₹15,000. 'स' को डेबिट करेंगे = 20,000 * (1/4) = ₹5,000.

› चौथा कदम: रोज़नामचा प्रविष्टि बनाओ।

› अ का पूँजी खाता Dr. ₹15,000

› स का पूँजी खाता Dr. ₹5,000

› ब के पूँजी खाते से Cr. ₹20,000

› (ब की ख्याति का समायोजन अभिलाभ अनुपात में करने पर)

उत्तर – अ का पूँजी खाता Dr. ₹15,000, स का पूँजी खाता Dr. ₹5,000, ब के पूँजी खाते से Cr. ₹20,000.

उदाहरण 5. P, Q और R एक फर्म में साझेदार हैं और 3:2:1 के अनुपात में लाभ-हानि बांटते हैं। R सेवानिवृत्त होता है। पुनर्मूल्यांकन और सभी संचय समायोजित करने के बाद, R के पूंजी खाते का शेष ₹60,000 है। P और Q, R को उसके पूर्ण निपटारे के लिए ₹75,000 देने को सहमत होते हैं। प्रछन्न ख्याति की गणना करें और रोज़नामचा प्रविष्टि दें।

› पहला कदम, हम प्रछन्न ख्याति निकालेंगे। R को ₹75,000 दिए गए, जबकि उसके पूंजी खाते में ₹60,000 बनते थे। तो प्रछन्न ख्याति = ₹75,000 - ₹60,000 = ₹15,000.

› अब दूसरा कदम, हमें P और Q का अभिलाभ अनुपात (Gaining Ratio) निकालना है। क्योंकि नए अनुपात के बारे में कुछ नहीं बताया गया है, तो R के जाने के बाद P और Q का नया लाभ विभाजन अनुपात 3:2 ही होगा। यही उनका अभिलाभ अनुपात भी होगा।

› तीसरा कदम, इस ₹15,000 की ख्याति को P और Q के अभिलाभ अनुपात (3:2) में बांटेंगे।

› P के हिस्से में = ₹15,000 x (3/5) = ₹9,000

› Q के हिस्से में = ₹15,000 x (2/5) = ₹6,000

› आखिरी कदम, रोज़नामचा प्रविष्टि करेंगे। जैसा हमने पहले भी सीखा था, 'Gain करने वाला Debit, जाने वाला Credit'। तो P और Q के पूंजी खाते डेबिट होंगे, और R का पूंजी खाता क्रेडिट होगा।

› P का पूंजी खाता Dr. ₹9,000

› Q का पूंजी खाता Dr. ₹6,000

› R के पूंजी खाते से Cr. ₹15,000

उत्तर – प्रछन्न ख्याति ₹15,000 है। रोज़नामचा प्रविष्टि: P का पूंजी खाता Dr. ₹9,000, Q का पूंजी खाता Dr. ₹6,000, R के पूंजी खाते से Cr. ₹15,000.

उदाहरण 6. मिताली, इंदू और गीता 5:3:2 के अनुपात में साझेदार हैं। गीता 31 मार्च, 2017 को सेवानिवृत्त होती है। उस तिथि को मशीनरी का मूल्य ₹1,20,000, पेटेंट का मूल्य ₹40,000 और भवन का मूल्य ₹1,25,000 हुआ। किताबों में मशीनरी ₹1,50,000, पेटेंट ₹30,000 और भवन ₹1,00,000 पर दर्ज हैं। पुनर्मूल्यांकन संबंधी आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ दें और पुनर्मूल्यांकन खाता बनाएँ।

› पहले किताबों में दर्ज और नए मूल्यों की तुलना करके परिवर्तन देखेंगे:

› मशीनरी: पहले ₹1,50,000, अब ₹1,20,000. कमी = ₹30,000

› पेटेंट: पहले ₹30,000, अब ₹40,000. वृद्धि = ₹10,000

› भवन: पहले ₹1,00,000, अब ₹1,25,000. वृद्धि = ₹25,000

› अब जर्नल प्रविष्टियाँ करेंगे:

› मशीनरी के मूल्य में कमी के लिए:

› पुनर्मूल्यांकन खाता Dr. ₹30,000

› मशीनरी खाते से Cr. ₹30,000

› (मशीनरी के मूल्य में कमी दर्ज करने पर)

› पेटेंट और भवन के मूल्य में वृद्धि के लिए:

› पेटेंट खाता Dr. ₹10,000

› भवन खाता Dr. ₹25,000

› पुनर्मूल्यांकन खाते से Cr. ₹35,000

› (पेटेंट और भवन के मूल्य में वृद्धि दर्ज करने पर)

› पुनर्मूल्यांकन खाता बनाएंगे:

› डेबिट पक्ष (हानि): मशीनरी ₹30,000

› क्रेडिट पक्ष (लाभ): पेटेंट ₹10,000, भवन ₹25,000

› पुनर्मूल्यांकन खाते का क्रेडिट कुल (₹35,000) डेबिट कुल (₹30,000) से ज़्यादा है, तो लाभ होगा।

› लाभ = ₹35,000 - ₹30,000 = ₹5,000
› यह लाभ सभी साझेदारों (मिताली, इंदू, गीता) में उनके पुराने अनुपात 5:3:2 में बंटेगा।
› मिताली का हिस्सा = ₹5,000 * (5/10) = ₹2,500
› इंदू का हिस्सा = ₹5,000 * (3/10) = ₹1,500
› गीता का हिस्सा = ₹5,000 * (2/10) = ₹1,000
› पुनर्मूल्यांकन लाभ के वितरण के लिए जर्नल प्रविष्टि:
› पुनर्मूल्यांकन खाता Dr. ₹5,000
› मिताली के पूँजी खाते से Cr. ₹2,500
› इंदू के पूँजी खाते से Cr. ₹1,500
› गीता के पूँजी खाते से Cr. ₹1,000
› (पुनर्मूल्यांकन पर लाभ साझेदारों के पूँजी खाते में पुराने अनुपात में हस्तांतरित करने पर)

उत्तर – पुनर्मूल्यांकन पर ₹5,000 का लाभ हुआ, जो मिताली को ₹2,500, इंदू को ₹1,500 और गीता को ₹1,000 मिलेगा।

उदाहरण 7. इंद्र, गजेंद्र और हरेंद्र साझेदार हैं और उनका लाभ-विभाजन अनुपात 3:2:1 है। इंद्र सेवानिवृत्त होता है। इस तिथि को फर्म के तुलन पत्र में 'सामान्य संचय' (General Reserve) ₹90,000 दर्शाया गया है। इसे साझेदारों के पूंजी खातों में बांटने के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टि बनाइए।

› सबसे पहले, यह पहचानें कि 'सामान्य संचय' एक संचित लाभ है।
› इसे सभी साझेदारों (इंद्र, गजेंद्र, हरेंद्र) में उनके पुराने लाभ-विभाजन अनुपात 3:2:1 में बांटा जाएगा।
› इंद्र का हिस्सा = 90,000 * (3 / 6) = ₹45,000
› गजेंद्र का हिस्सा = 90,000 * (2 / 6) = ₹30,000
› हरेंद्र का हिस्सा = 90,000 * (1 / 6) = ₹15,000
› अब जर्नल प्रविष्टि बनाएंगे: 'सामान्य संचय' को डेबिट करेंगे (क्योंकि यह खत्म हो रहा है) और साझेदारों के पूंजी खातों को क्रेडिट करेंगे (क्योंकि उनके पूंजी खाते बढ़ रहे हैं)।
› जर्नल प्रविष्टि:
› सामान्य संचय खाता Dr. ₹90,000
› इंद्र के पूंजी खाते से ₹45,000
› गजेंद्र के पूंजी खाते से ₹30,000
› हरेंद्र के पूंजी खाते से ₹15,000
› (सामान्य संचय का हस्तांतरण सभी साझेदारों के पूंजी खाते में उनके पुराने अनुपात में)

उत्तर – जर्नल प्रविष्टि होगी: सामान्य संचय खाता Dr. ₹90,000; इंद्र के पूंजी खाते से ₹45,000; गजेंद्र के पूंजी खाते से ₹30,000; हरेंद्र के पूंजी खाते से ₹15,000।

उदाहरण 8. अजय, विजय और संजय 3:2:1 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वर्ष के लिए फर्म का लाभ 1,20,000 रुपये था। विजय 30 सितंबर 2023 को सेवानिवृत्त होता है। यदि लाभ की गणना पिछले वर्ष के लाभ के आधार पर की जाए, तो विजय का लाभ में हिस्सा ज्ञात करें और रोज़ानामचा प्रविष्टि दें।

› पहला कदम है, यह देखना कि विजय कितने समय तक फर्म में रहा। वह 30 सितंबर को सेवानिवृत्त हुआ, मतलब 1 अप्रैल से 30 सितंबर तक, यानी 6 महीने।
› अब, हम पिछले साल के पूरे लाभ (1,20,000 रुपये) को इन 6 महीनों के लिए आनुपातिक करेंगे। 1,20,000 रुपये / 12 महीने * 6 महीने = 60,000 रुपये। यह वो अनुमानित लाभ है जो फर्म ने विजय के रहने के दौरान कमाया होगा।
› विजय का लाभ-विभाजन अनुपात 2/6 (या 1/3) है।
› तो, विजय का लाभ में हिस्सा होगा: 60,000 रुपये * (2/6) = 20,000 रुपये।
› रोज़ानामचा प्रविष्टि इस प्रकार होगी: लाभ व हानि उचंती खाता (Profit & Loss Suspense A/c) डेबिट 20,000 रुपये से, और विजय के पूँजी खाते (Vijay's Capital A/c) को क्रेडिट 20,000 रुपये से।

उत्तर – विजय का लाभ में हिस्सा 20,000 रुपये होगा। रोज़ानामचा प्रविष्टि: लाभ व हानि उचंती खाता Dr. 20,000 रुपये, विजय के पूँजी खाते से Cr. 20,000 रुपये।

उदाहरण 9. महेंद्र एक फर्म से सेवानिवृत्त होता है। उसकी सेवानिवृत्ति की तिथि को उसको ₹60,000 देय हैं। फर्म ने तय किया कि उसे यह राशि 4 वार्षिक किश्तों में 12% प्रति वर्ष ब्याज के साथ भुगतान की जाएगी। महेंद्र का ऋण खाता तैयार करें।

› पहला साल: महेंद्र के पूंजी खाते से ₹60,000 ऋण खाते में हस्तांतरित किए गए।

› पहले साल का ब्याज: ₹60,000 पर 12% = ₹7,200।

› कुल देय राशि: ₹60,000 (मूल) + ₹7,200 (ब्याज) = ₹67,200।

› पहली किश्त: ₹15,000 (मूल) + ₹7,200 (ब्याज) = ₹22,200 का भुगतान किया गया।

› शेष ऋण राशि: ₹60,000 - ₹15,000 = ₹45,000।

› दूसरा साल: शेष ₹45,000 पर 12% ब्याज = ₹5,400।

› दूसरी किश्त: ₹15,000 (मूल) + ₹5,400 (ब्याज) = ₹20,400 का भुगतान किया गया।

› शेष ऋण राशि: ₹45,000 - ₹15,000 = ₹30,000।

› तीसरा साल: शेष ₹30,000 पर 12% ब्याज = ₹3,600।

› तीसरी किश्त: ₹15,000 (मूल) + ₹3,600 (ब्याज) = ₹18,600 का भुगतान किया गया।

› शेष ऋण राशि: ₹30,000 - ₹15,000 = ₹15,000।

› चौथा साल: शेष ₹15,000 पर 12% ब्याज = ₹1,800।

› चौथी किश्त: ₹15,000 (मूल) + ₹1,800 (ब्याज) = ₹16,800 का भुगतान किया गया।

› ऋण खाता शून्य हो गया।

उत्तर – महेंद्र का ऋण खाता प्रत्येक वर्ष की किश्त भुगतान और शेष राशि के साथ सही ढंग से निपटा दिया गया।

उदाहरण 10. मोहित, नीरज और सोहन एक फर्म में साझेदार थे और लाभ 2:1:1 के अनुपात में बांटते थे। नीरज सेवानिवृत्त हो गया। मोहित और सोहन ने फैसला किया कि नई फर्म की कुल पूंजी ₹1,20,000 होगी। सभी समायोजन के बाद, मोहित और सोहन की पूंजी खातों का जमा शेष क्रमशः ₹82,000 और ₹41,000 है। अब आपको बताना है कि मोहित और सोहन को कितनी पूंजी लानी पड़ेगी या उन्हें कितनी पूंजी वापस मिलेगी।

› पहला कदम, नया लाभ विभाजन अनुपात निकालना है। नीरज के जाने के बाद, मोहित और सोहन का नया अनुपात 2:1 रहेगा।

› दूसरा कदम, नई फर्म की कुल पूंजी ₹1,20,000 को इस नए अनुपात में बांटना है। मोहित की नई पूंजी = ₹1,20,000 * (2/3) = ₹80,000। सोहन की नई पूंजी = ₹1,20,000 * (1/3) = ₹40,000।

› तीसरा कदम, अब हम देखते हैं कि उनकी वर्तमान पूंजी (समायोजन के बाद) क्या है। मोहित की वर्तमान पूंजी ₹82,000 है, लेकिन उसकी नई पूंजी ₹80,000 होनी चाहिए। इसका मतलब है कि मोहित के पास ₹82,000 - ₹80,000 = ₹2,000 ज़्यादा हैं। ये उसे वापस मिलेंगे।

› चौथा कदम, सोहन की वर्तमान पूंजी ₹41,000 है, और उसकी नई पूंजी ₹40,000 होनी चाहिए। इसका मतलब है कि सोहन के पास ₹41,000 - ₹40,000 = ₹1,000 ज़्यादा हैं। ये भी उसे वापस मिलेंगे।

› तो जर्नल एंट्री क्या होगी? दोनों साझेदार पैसा निकाल रहे हैं, तो उनके कैपिटल अकाउंट डेबिट होंगे और कैश/बैंक अकाउंट क्रेडिट होगा।

› मोहित का पूंजी खाता Dr. ₹2,000

› सोहन का पूंजी खाता Dr. ₹1,000

› रोकड़/बैंक खाते से Cr. ₹3,000

उत्तर – मोहित को ₹2,000 और सोहन को ₹1,000 फर्म से निकालने होंगे।

उदाहरण 11. मोहित, सोहन और राहुल एक फर्म में 2:2:1 के अनुपात में लाभ बांटते हैं। 31 मार्च 2017 को सोहन की पूंजी ₹25,000 थी। 15 जून 2017 को सोहन की मृत्यु हो जाती है। फर्म का औसत लाभ पिछले 4 सालों का ₹16,000 है और पूंजी पर 12% वार्षिक ब्याज देना है। सोहन के उत्तराधिकारी को देय राशि की गणना करें, जिसमें मृत्यु तक के लाभ और पूंजी पर ब्याज शामिल हों। (केवल इन दो मदों पर ध्यान दें).

› 1. औसत लाभ की गणना करें: ₹16,000 (यह दिया गया है)

› 2. मृत्यु की अवधि निकालें: 1 अप्रैल 2017 से 15 जून 2017 तक = 2 महीने 15 दिन (लगभग 2.5 महीने या 2.5/12 साल)। यहाँ हम इसे 2.5 महीने मानकर चलेंगे ताकि आसानी हो, लेकिन एग्जैक्ट दिनों की गिनती करनी होती है।

› 3. सोहन के हिस्से का लाभ निकालें (मृत्यु तक): फर्म का औसत लाभ ₹16,000 है। 2.5 महीने का लाभ = 16,000 * (2.5/12) = ₹3,333.33 (लगभग)। सोहन का लाभ में हिस्सा (2/5) = 3,333.33 * (2/5) = ₹1,333.33 (इसे ₹1,333 मान लेते हैं).

› 4. सोहन की पूंजी पर ब्याज निकालें (मृत्यु तक): पूंजी ₹25,000, ब्याज दर 12% वार्षिक। 2.5 महीने का ब्याज = 25,000 * (12/100) * (2.5/12) = ₹625.

› 5. सोहन के पूंजी खाते का शेष: ₹25,000

› 6. कुल देय राशि: पूंजी का शेष + मृत्यु तक का लाभ + पूंजी पर ब्याज = 25,000 + 1,333 + 625 = ₹26,958.

उत्तर – सोहन के उत्तराधिकारी को देय कुल राशि ₹26,958 है।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षा के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अक्सर सेवानिवृत्त/मृत साझेदार को देय राशि की गणना पर आधारित प्रश्न आते हैं। इसके हर पहलू को अच्छे से समझना बहुत ज़रूरी है।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा में ख्याति के समायोजन (Adjustment of Goodwill) वाले बड़े प्रश्नों में एक छोटा लेकिन बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। अभिलाभ अनुपात सही निकालने पर ही ख्याति का समायोजन सही हो पाएगा, इसलिए इसे ध्यान से समझो!

• यह समायोजन प्रविष्टि बोर्ड परीक्षा में अक्सर 3 से 4 अंकों के प्रश्न में पूछी जाती है, खासकर जब नए लाभ विभाजन अनुपात और अभिलाभ अनुपात की गणना भी साथ में करनी हो।

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर आधारित एक पूरा प्रश्न या एक भाग पूछ लिया जाता है जिसमें आपको प्रछन्न ख्याति की गणना करके रोज़नामचा प्रविष्टि देनी होती है।

• पुनर्मूल्यांकन खाता बोर्ड परीक्षा में 4-6 अंक का एक महत्वपूर्ण प्रश्न होता है। इसमें जर्नल प्रविष्टियां और खाता दोनों बनाने को आ सकते हैं, इसलिए दोनों पर अभ्यास करें और ध्यान दें कि लाभ-हानि हमेशा पुराने अनुपात में बँटेगा।

• यह समायोजन बहुत महत्वपूर्ण है, बोर्ड परीक्षा में अक्सर जर्नल प्रविष्टि बनाने या इससे संबंधित गणना करने के लिए प्रश्न आते हैं। इसे ध्यान से समझें!

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। वर्ष के मध्य में सेवानिवृत्त होने पर लाभ या हानि की गणना से संबंधित एक प्रश्न निश्चित रूप से आता है, खासकर जिसमें अवधि की गणना करनी होती है।

• बोर्ड परीक्षा में, सेवानिवृत्त साझेदार के ऋण खाते से संबंधित लंबे प्रश्न (Loan Account) अक्सर 6-8 अंक में आते हैं, इसलिए इसकी जर्नल प्रविष्टियों और खाते को तैयार करने का अभ्यास बहुत ज़रूरी है।

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! इस पर आधारित बड़े सवाल आते हैं, जिसमें पुनर्मूल्यांकन, ख्याति और पूंजी समायोजन सब एक साथ पूछे जाते हैं। इसलिए, इसके उदाहरणों का खूब अभ्यास करें।

एक नज़र में रिवीज़न

› साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु पर पुनर्गठन आवश्यक; देय राशि में पूंजी, ख्याति, संचय, लाभ शामिल।

› अभिलाभ अनुपात = नया हिस्सा - पुराना हिस्सा; साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु पर गणना।

› सेवानिवृत्त/मृत साझेदार की ख्याति का समायोजन अभिलाभ अनुपात में (जब पुस्तकों में विद्यमान न हो).
› देय से अधिक भुगतान प्रछन्न ख्याति, अभिलाभ अनुपात में समायोजन।
› पुनर्मूल्यांकन: परिसंपत्ति/दायित्वों की वास्तविक कीमत दर्ज करना, लाभ/हानि पुराने अनुपात में बँटेगा।
› संचित लाभ/हानि सभी पुराने साझेदारों में पुराने अनुपात में बांटें।
› वर्ष के मध्य सेवानिवृत्ति पर, लाभ की गणना अवधि-आधारित होती है।
› सेवानिवृत्त साझेदार को देय राशि: एकमुश्त, किश्त, या ऋण खाते में हस्तांतरण।
› रिटायरमेंट पर शेष साझेदारों की पूंजी का नए लाभ अनुपात में समायोजन।